भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 698

बुधवार, 07 फरवरी, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

नए उद्योगों की स्थापना

698. कुमारी चन्द्राणी मुर्मुः

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस तथ्य को स्वीकार करती है कि किसी भी उद्योग की स्थापना से उसके आसपास के क्षेत्र की समृद्धि में मदद मिलती है क्योंकि यह रोजगार और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां पैदा करता है;

(ख) यदि हां, तो पिछले दस वर्षों में देश भर में कितने केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम स्थापित किए गए हैं;

(ग) उक्त अवधि के दौरान ओडिशा में कितने ऐसे उद्योग स्थापित किए गए हैं;

(घ) क्या ओडिशा में नए उद्योग स्थापित करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त कितनी कंपनियाँ हैं जिनका निजीकरण हो चुका है या निजीकरण की प्रक्रिया में हैं?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सोम प्रकाश)

(क) : सीपीएसई भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। देश के आर्थिक उत्पादन में प्रत्यक्ष योगदान के अलावा, सीपीएसई द्वारा उपलब्ध उत्पाद और सेवाएं एमएसएमई के विकास के अवसरों का सृजन करके महत्वपूर्ण डाउनस्ट्रीम प्रभाव डालने, प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने, सरकार के कार्यनीतिक एजेंडा को आगे बढ़ाने, केन्द्रीय राजकोष में योगदान करने, प्रौद्योगिकीय प्रगति एवं नवप्रयोग आदि में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करती हैं।

(ख) : सार्वजनिक उद्यम सर्वेक्षण के अनुसार, परिचालनरत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) की संख्या 2012-13 में 229 थी और 2022-23 में यह 254 है।

(ग) : वर्ष 2012-13 में ओडिशा में पंजीकृत सीपीएसई की संख्या 4 थी और वर्ष 2022-23 में इनकी संख्या 5 हो गई है।

(घ) और (ङ) : सीपीएसई संबंधित मंत्रालयों/विभागों के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्य करते हैं। नए सीपीएसई की स्थापना का कोई भी निर्णय, संबंधित क्षेत्रगत मंत्रालयों/विभागों द्वारा आवश्यकताओं एवं वाणिज्यिक व्यवहार्यता तथा सरकार की वर्तमान नीति को ध्यान में रखने के बाद लिया जाता है। वर्ष 1982 में निगमित नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) का निजीकरण कर दिया गया है और इसका मुख्यालय ओडिशा में है।

*****